# उसने हमें पवित्रशास्त्र दिया: व्याख्या की नींव

## अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय ग्यारह:

## प्रत्येक के लिए आधुनिक उपयोग

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES
Biblical Education. For the World. For Free.

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट में जायें - थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ ऐट थर्ड मिलेनियम

# विषय-वस्तु सूची

**इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें ..... 3**

**नोट्स ..... 4**

I. **परिचय** (0:20) 4

II. **विविधता** (3:20) 4
- क. बाइबल आधारित दिशा निर्देश (5:17) 4
  - 1. पुराना नियम (6:48) 5
  - 2. नया नियम (14:45) 6
- ख. लोग और परिस्थितियाँ (23:06) 7
  - 1. उच्च निर्देश (24:10) 7
  - 2. निम्न निर्देश (27:46) 7

III. ज्ञान (33:50) 8
- क. अगुवे (35:56) 8
  - 1. पुराना नियम (36:50) 8
  - 2. नया नियम (40:27) 9
- ख. समुदाय (46:06) 10
  - 1. पुराना नियम (46:46) 11
  - 2. नया नियम (51:13) 12

IV. **सारांश** (59:42) 13

**पुनर्विचार हेतु प्रश्न ..... 14**

**लागू करने हेतु प्रश्न ..... 17**


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

**इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें**

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

---

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org

# नोट्स

## I. परिचय (0:20)

जब कभी भी हम बाइबल को हमारे जीवनों में लागू करते हैं तो हमें निम्न तीन ऐसी दूरियों को ध्यान में रखना चाहिए जो पवित्रशास्त्र के मूल श्रोताओं और आधुनिक श्रोताओं के मध्य में विद्यमान हैं:

- युग
- संस्कृति
- व्यक्तिगत्

## II. विविधता (3:20)

बाइबल की रूपरेखा इस तरह से की गई है कि यह विभिन्न परिस्थितियों में रहने वाले विभिन्न लोगों के द्वारा उपयोग की जा सके।

### क. बाइबल आधारित दिशा निर्देश (5:17)

पवित्रशास्त्र निम्न को प्रदान करता है :

- सार्वभौमिक सिद्धान्तों जो हर समय अनुसरण करने के लिए प्रत्येक के लिए हैं।
- सामान्य दिशा निर्देश विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न लोगों के लिए हैं।
- विशिष्ठ दिशा निर्देश विशेष लोगों और परिस्थितियों के लिए हैं।
- लोगों के उदाहरण जो कि पवित्रशास्त्र के दिशा निर्देशों का पालन करने में सफल या विफल हुए हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

**1. पुराना नियम (6:48)**

मत्ती 22:36 - 40 में, यीशु ने दो आज्ञाओं को बाइबल के सभी अन्य निर्देशों के ऊपर होने की प्राथमिकता के रूप में पहचाना :

- "परमेश्वर के साथ प्रेम रख" (व्यवस्थाविवरण 6:5)
- "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख" (लैव्यव्यवस्था 19:18)

यीशु के दृष्टिकोण से, परमेश्वर को प्रेम करना और पड़ोसी को प्रेम करना पुराने नियम के सार्वभौमिक सिद्धान्त हैं जिनका पालन प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए।

यीशु ने आदेश दिया कि हमें छोटी से लेकर बड़ी सब तरह की आज्ञाओं का पालन करना चाहिए (मत्ती 5:19; 23:23)।

पुराने नियम में दस आज्ञाओं के ऊपर यीशु का दृष्टिकोण एक चलित प्रक्रिया के रूप की तरह है :

- सार्वभौमिक सिद्धान्त (दो बड़ी आज्ञाएँ)
- सामान्य निर्देश (दस आज्ञाएँ, न्याय, दया और विश्वासयोग्यता)
- विशिष्ट निर्देश (लोगों को उच्च आदेशों का पालन कैसे करना है)
- ऐतिहासिक उदाहरण (वे तरीकों जिनमें लोगं ने परमेश्वर की आज्ञाओं को विशिष्ट परिस्थितियों में पालन किया या फिर अवहेलना की।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

ये प्रबन्ध स्पष्ट करता है कि कैसे यीशु यह चाहता था कि उसके शिष्य निर्देशों की पूरी श्रृंखला का निपटारा कर सकें जो कि पुराने नियम में प्रकट होती हैं।

## 2. नया नियम (14:45)

नए नियम के लेखकों ने आरम्भिक कलीसिया को यह शिक्षा दी कि कैसे पुराने नियम के दिशा निर्देशों को नई वाचा के युग में लागू करना है।

नए नियम के लेखकों ने यह जोर दिया कि मसीह के अनुयायियों को उन प्राथमिकताओं को बनाए रखना चाहिए जिन्हें यीशु ने स्थापित किया था।

- सार्वभौमिक सिद्धान्त
- सामान्य दिशा निर्देश
- विशिष्ठ दिशा निर्देश
- ऐतिहासिक उदाहरण

इस तरीके से या उस तरीके से यह स्मरण रखना चाहिए, कि बाइबल आधारित प्रत्येक दिशा निर्देश मसीह के प्रत्येक अनुयायी के लिए प्रासंगिक है।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

## ख. लोग और परिस्थितियाँ (23:06)

परमेश्वर उसकी इच्छा को पवित्रशास्त्र के कई विभिन्न तरह के दिशा निर्देशों के द्वारा प्रकाशित करेगा।

इन दिशा निर्देशों को जीवनों पर लागू करने के लिए, हमें परमेश्वर के सामान्य प्रकाशन को ध्यान रखना होगा।

### 1. उच्च निर्देश (24:10)

उच्च निर्देशो में दोनों अर्थात् सार्वभौमिक सिद्धान्त और सामान्य दिशा निर्देश सम्मिलित हैं।

उच्च सिद्धान्तों को लागू करने के लिए :

- उस व्यक्ति के उन गुणों तक पहुँचना चाहिए जो इसमें सम्मिलित है।

- बाइबल के सिद्धान्तों को विविध तरीकों से विभिन्न परिस्थितियों में भी लागू करना चाहिए।

### 2. निम्न निर्देश (27:46)

निम्न निर्देशों में बाइबल के विशिष्ट, विस्तृत निर्देश और ठोस ऐतिहासिक उदाहरण सम्मिलित हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

निम्न निर्देश को इसमें सम्मिलित लोगों और परिस्थितियों की विविधता के ऊपर निर्भर होते हुए भिन्न तरीके से लागू किया जाता है।

## III. ज्ञान (33:50)

हमें अन्यों के साथ हमारे सम्पर्कों में उपयोग के लिए ज्ञान को प्राप्त करना है।

### क. अगुवे (35:56)

पवित्रशास्त्र के लेखकों ने सर्व प्रथम परमेश्वर के लोगों के अगुवों को लिखा जिन्हें पवित्रशास्त्र की शिक्षाओं के प्रचार प्रसार और वर्णन किए जाने के लिए ठहराया गया था।

#### 1. पुराना नियम (36:50)

पुराने नियम के लेखकों ने मौलिक रूप से इस्राएल के अगुवों को सम्बोधित किया।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

प्रमाण के तीन तरीके :

- हवाले :
    - मूसा की व्यवस्था को लेवीय याजकों की देखरेख में पालन किया जाना था (व्यवस्थाविवरण 31:9; 2 राजा 22:9-10);
    - *वाचा की पुस्तक* को न्यायियों के लिए लिखा गया था (निर्गमन 21:1-23:9);
    - नीतिवचनों को उच्च-ज्ञान प्राप्त बुद्धिमान लोगों और राजकीय व्यक्तियों के द्वारा एकत्र किया गया था (नीतिवचन 1:1, 25:1)।

- विषय-वस्तु :
    - पुराने नियम की बहुत सी पुस्तकें अपने बहुत ज्यादा समय को ऐसे विषयों के ऊपर खर्च करती हैं जिनकी इस्राएलियों के प्रतिदिन के जीवन से बहुत कम प्रत्यक्ष प्रासंगिकता थी (1 राजा 6);
    - सभोपदेशक में आत्मचिन्तन उन चुनौतियों से बहुत दूर थे जिनका सामना बहुसँख्यक इस्राएली कर रहे थे।

- जटिलतायें :
    - बाइबल की बहुत सी पुस्तकें इतनी ज्यादा पेचीदा रूप से निर्मित थी कि एक औसत इस्राएली भी उनसे विस्मित हो जाता है।

**2. नया नियम 40:27)**

नए नियम के लेखकों ने अपनी पुस्तकों को आरम्भिक कलीसिया के अगुवों के लिए लिखा था।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

- हवाले : 1 और 2 तीमुथियुस के पत्र तीमुथियुस को सम्बोधित किए गए हैं; तीतुस की पुस्तक तीतुस को सम्बोधित की गई है।

- विषय-वस्तु : लेखकों ने ऐसे विषयों के ऊपर ध्यान केन्द्रित किया जो कि प्रथम शताब्दी के ज्यादात्तर विश्वासियों से अपरिचित थे।

- जटिलतायें : नए नियम के लेखकों ने पत्रों को धर्मवैज्ञानिक विशेषज्ञता के साथ लिखा है (2 पतरस 3:16)।

आधुनिक विश्वासियों को पवित्रशास्त्र की अपरिचित विषय-वस्तु और जटिलताओं से निपटारा करने के लिए अनुभव प्राप्त अगुवों की आवश्यकता है।

पवित्रशास्त्र का व्यक्तिगत् अध्ययन बहुत ज्यादा मूल्यवान है, परन्तु विश्वासयोग्य अगुवों की पहचान पवित्रशास्त्र को लागू करने में हमारी सहायता के लिए आवश्यक है (इब्रानियों 13:17)

## ख. समुदाय (46:06)

बाइबल के लेखकों ने इस अपेक्षा से लिखा कि अगुवे पवित्रशास्त्र का प्रचार और प्रसार समाज में परमेश्वर के लोग से करें।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

**1. पुराना नियम (46:46)**

पुराने नियम की पुस्तकें की विषय-वस्तु इस्राएल के विस्तृत समाज में वितरित की गई थी।

- लेवीय याजकों ने व्यवस्था को दिया (व्यवस्था विवरण 31:9-29)।
- मूसा ने आशीषों और श्रापों को एक गीत में लिख कर गाने के लिए लोगों को दिया।
- लेवियों और न्यायियों ने परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सामान्य जनसँख्या को निर्देश दिया (व्यवस्था विवरण 17:8-13; 1 राजा 3:16-28)।
- राजा पवित्रशास्त्र को वाचा के नवीकरण के समय लोगों को पढ़ कर सुनाया करता था (2 राजा 23:1-3)।
- जनजातिय अगुवों ने परमेश्वर के वचन को उन लोगों के जीवनों में लागू किया जिनकी वे सेवा करते थे (एज्रा 10:16)।
- माता पिता ने अपने बच्चों को फसह और व्यवस्था के रीति विधानों की शिक्षा दी (निर्गमन 12:27; व्यवस्था विवरण 6:6-9)।
- समाज के सदस्य ने एक दूसरे को पवित्रशास्त्र की शिक्षा का अनुसरण करने के लिए उत्साहित किया ।
- पुराना नियम के बहुत से भाग परमेश्वर के वचनों को लोगों को अपने हृदयों में रखने के लिये तैयार किए गए थे (भजन संहिता 119:11-16)।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

## 2. नया नियम (51:13)

आरम्भिक कलीसियाई समाज ने जिस तरह से पवित्रशास्त्र को प्राप्त किया था उसी के अनुसार इसके अभ्यास को प्रथम शताब्दी के सभाघरों में उपयोग किया:

- कलीसिया के अगुवे ने इसका पठन् और पवित्रशास्त्र का वर्णन किया (लूका 4:14-29; कुलुस्सियों 4:16)।

- आरम्भिक विश्वासियों ने इसे सीखा और समाज में पवित्रशास्त्र को लागू किया।

- आरम्भिक विश्वासियों ने नए नियम की शिक्षाओं को स्मरण किया और इसकी महत्वपूर्णता के ऊपर मनन किया।

व्यक्तिगत् जीवनों में पवित्रशास्त्र को लागू करने के लिए तीन निहितार्थ :

- हमें पवित्र आत्मा से वरदान प्राप्त अगुवों की आवश्यकता है जो कि हमें पवित्रशास्त्र की शिक्षा को लागू करने में सहायता करें।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

- अन्य विश्वासयोग्य मसीही विश्वासियों के साथ सम्बन्ध जो हमें पवित्रशास्त्र को लागू करने की सहायता करें।

- प्रार्थनापूर्वक पवित्रशास्त्र के मनन के द्वारा, परमेश्वर का आत्मा हमें समझ और हृदय में महसूस होने वाले विश्वास की दृढ़ता को देगा कि हम पवित्रशास्त्र को उन तरीकों में लागू कर रहे हैं जिनसे वह प्रसन्न होता है।

## IV. सारांश (59:42)


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

## पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. बाइबल में पाए जाने वाली कुछ निर्देशात्मक भिन्नताओं की सूची बनाएँ और इनका विवरण दें।

2. क्यों लोगों को पवित्रशास्त्र विभिन्न तरीकों से लागू करना चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में उदाहरणों को दें।

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org

3. उच्च और निम्न निर्देशों के मध्य में भिन्नता की व्याख्या करें।

4. कौन से प्रमाण हमारे पास हैं कि पुराने नियम और नए नियम के अगुवे मूल रूप से पवित्रशास्त्र के प्राप्तकर्ता थे?


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

5. व्याख्या करें कि कैसे पुराने नियम की पुस्तकें के विषय-वस्तु अगुवों से विस्तृत समाज में प्रसारित हुए। पवित्रशास्त्र में से कम से कम तीन उदाहरणों को सम्मिलित करें।

6. अधिक से अधिक विस्तार  से वर्णन करें कि कैसे आरम्भिक कलीसिया ने पवित्रशास्त्र के बारे में सीखा और इसे जीवन में लागू किया।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

## लागू करने हेतु प्रश्न

1. परमेश्वर के वचन की मंशा आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित करने की है। आपके जीवन के वे कौन से विशेष क्षेत्र हैं जहाँ पर आप पवित्रशास्त्र को सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं? कौन से कुछ क्षेत्र हैं जहाँ पर आप परमेश्वर के वचन को जीवन में लागू करने के लिए संघर्षरत् हैं?

2. बाइबल हमारे जीवन में मार्गदर्शन के लिए सार्वभौमिक सिद्धान्त, सामान्य निर्देश, विशिष्ठ निर्देश और सफलता और असफलता के उदाहरणों को प्रदान करती है। पवित्रशास्त्र को हमारे जीवन में लागू करने के लिए किस तरह से ये निर्देशात्मक भिन्नताएँ प्रभावित करनी चाहिए?

3. कुछ  निश्चित उदाहरणों को दें कि कैसे आप मसीह के अपने पड़ोसी को अपने जैसा प्रेम रख के आदेश को अपनी परिस्थितियों में लागू कर रहे हैं।

4. जब आप जीवन में चुनाव करने के विकल्पों का सामना करते हैं, तो क्या आप उन प्राथमिकताओं का बनाए रखते हैं जिन्हें यीशु ने उसके शिष्यों को सिखाया, या कई बार पवित्रशास्त्र की व्याख्या में ही खो जाते हैं और उच्च निर्देशों को भूल जाते हैं? अपने उत्तर की व्याख्या करें।

5. कैसे आप इस समय अपनी सेवकाई के संदर्भ और व्यक्तिगत् परिस्थितियों में पवित्रशास्त्र के उच्च और निम्न निर्देशों को लागू करते हैं?

6. कैसे मसीही अगुवों और/या अन्य मसीही विश्वासियों ने आपकी सहायता पवित्रशास्त्र के अपरिचित और जटिल शिक्षाओं के निष्पादन में की है? निश्चित उदाहरणों के दें।

7. इस बात की जानकारी से आपको कौन से उत्साह और सांत्वना मिलती कि परमेश्वर ने बाइबल की शिक्षाओं को जीवनों में लागू करने की प्रक्रिया दोनों अर्थात् अगुवों और समाज में अन्य मसीही विश्वासियों की देखरेख में घटित हो?

8. क्या हमें *सदैव* बाइबल को अन्य लोगों के साथ समाज में पढ़ना चाहिए? क्यों और क्यों नहीं? अपने विचारों के समर्थन में कुछ उदाहरण दें।

9. जब आप पवित्रशास्त्र का अध्ययन करते हैं तो कैसे आप कलीसियाई अगुवों के ऊपर पूर्ण निर्भरता और अकेले बने रहने और व्यक्तिगतवाद का अनुसरण करने के मध्य में एक सन्तुलन को पाते हैं ?

10. इस अध्याय से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org